

8A/53-66
aw P&T

भारत सरकार और सिंगापुर गणराज्य
सरकार के बीच हवाई व्यवस्थाओं का करार

-0-

भारत सरकार, और सिंगापुर गणराज्य सरकार,

जो 7 दिसम्बर, 1944 को सिंगापुर में हस्ताक्षर के लिए प्रस्तुत किए गए अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमानन अभिसमय (जिसे आगे 'अभिसमय' कहा गया है) के हस्ताक्षरकर्ता हैं,

अपने-अपने भूभागों के बीच और उनके परे हवाई व्यवस्थाओं की स्थापना के लिए करार करने की इच्छा से,

नीचे लिखी बातों पर सहमत हुई हैं :-

अनुच्छेद - I

जब तक प्रसंग से कोई अन्य अर्थ अभीष्ट न हो, इस करार के प्रयोजन के लिए :-

- (क) 'वैमानिक प्राधिकारी' शब्दों का आशय भारत के संबंध में सिविल विमानन का महानिदेशक होगा और सिंगापुर गणराज्य के संबंध में उप प्रधान मंत्री या कोई ऐसा व्यक्ति या निकाय होगा जिसे उन कार्यों को करने के लिए प्राधिकृत किया गया हो, जिन्हें उक्त महानिदेशक द्वारा अथवा उक्त मंत्री द्वारा किया जाता है ;
- (ख) 'नामजद हवाई कम्पनी' का आशय है ऐसी हवाई कम्पनी जिसे एक संविदाकारी पदा इस करार के अनुच्छेद III के अनुसार दूसरे संविदाकारी पदा को लिखित सूचना देकर नामजद कर दें ।
- (ग) 'भूभाग', 'हवाई व्यवस्था', 'अन्तर्राष्ट्रीय हवाई व्यवस्थाएँ', 'हवाई कम्पनी' और 'यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए विराम' शब्दों के आशय वही हैं जो अभिसमय के अनुच्छेद 2 और 96 में उनके लिए निश्चित किए गए हैं ।

अनुच्छेद - II

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष को इस करार के अनुबंध में निर्दिष्ट मार्ग पर (जिसे इसके बाद 'निर्दिष्ट मार्ग' कहा गया है) हवाई व्यवस्थाएं (जिन्हें इसके बाद 'सम्मत सेवाएं' कहा गया है) स्थापित करने के लिए इस करार में निर्दिष्ट अधिकार देता है।

(2) इस करार के उपबंधों के अधीन रहते हुए निर्दिष्ट मार्ग पर सम्मत सेवा का परिचालन करने में प्रत्येक संविदाकारी पक्ष द्वारा नामजुद हवाई कम्पनी को निम्नलिखित अधिकार होंगे :-

- (क) और उतरे हुए दूसरे संविदाकारी पक्ष के मूभाग से होकर उड़ने का अधिकार ;
- (ख) यातायात से भिन्न प्रयोजनों के लिए, दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में विराम करने का अधिकार ; और
- (ग) किसी निर्दिष्ट मार्ग पर सम्मत सेवा का परिचालन करते हुए यात्रियों, माल और डाक के ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय याता-यात को उतारने या चढ़ाने के प्रयोजन से, जिसका मूल या गंतव्य पहले संविदाकारी पक्ष या किसी अन्य देश के मू-भाग में हो, दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में ऐसे स्थान या स्थानों पर विराम का अधिकार, जो इस करार के अनुबंध में दिए गए मार्ग में निर्दिष्ट किए गए हैं।

(3) इस अनुच्छेद के पैरा (2) के किसी भी अंश का अर्थ एक संविदाकारी पक्ष को यह अधिकार देना नहीं समझा जाएगा कि वह दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में यात्रियों, माल या डाक के ऐसे यातायात को भी चढ़ा सकेगा जिसका गंतव्य दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में ही कोई अन्य स्थान हो।

(4) एक संविदाकारी पक्ष के वे नियम, विनियम और अनुदेश दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामजुद हवाई कम्पनी के वायुयानों और सम्मत व्यवस्थाओं पर भी लागू होंगे जो अन्तर्राष्ट्रीय विमान चालन में परिचालित वायुयानों या हवाई व्यवस्थाओं के द्वारा उसके मू-भाग में प्रवेश या वहां से प्रस्थान करने पर अथवा उसके मू-भाग में रहते समय उन वायुयानों या हवाई व्यवस्थाओं के परिचालन पर लागू होते हों।

अनुच्छेद- III

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष को यह अधिकार होगा कि वह निर्दिष्ट मार्गों पर सम्मत सेवाओं के परिचालन के लिए दूसरे संविदाकारी पक्ष को लिखित रूप से एक हवाई कम्पनी को नामजुद करे ।

(2) नामजुदगी की सूचना मिलने पर संविदाकारी पक्ष, अपने वैमानिक प्राधिकारियों के द्वारा, इस अनुच्छेद के पैरा (3) और (4) के उपबंधों के अधीन रहते हुए नामजुद हवाई कम्पनी को अविलम्ब उपयुक्त परिचालन अधिकार दे देगा ।

(3) एक संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पक्ष द्वारा नामजुद हवाई कम्पनी से इस बात का वाश्वासन मांग सकते हैं कि वह उनके द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक हवाई व्यवस्थाओं के परिचालन पर सामान्य रूप से लागू किए जाने वाले नियमों और विनियमों के अधीन निर्धारित शर्तों का पालन करने के लिए सक्षम है ।

(4) यदि कोई संविदाकारी पक्ष इस बात से वाश्वस्त न हो कि उस हवाई कम्पनी का बहुभाग स्वामित्व और प्रमावी नियंत्रण दूसरे संविदाकारी पक्ष अथवा उसके राष्ट्रों में निहित है तो उसको यह अधिकार होगा कि वह ऐसी हवाई कम्पनी की नामजुदगी को स्वीकार करने से इन्कार कर दे या प्रस्तुत करार के अनुच्छेद II के पैरा 2 में निर्दिष्ट उन अधिकारों की मंजूरी को रोक दे अथवा उन अधिकारों के प्रयोग के संबंध में हवाई कम्पनी पर ऐसी शर्तें लगाए जिन्हें वह आवश्यक समझे । इस पैरा के प्रयोजन के लिए 'बहु-भाग स्वामित्व और प्रमावी नियंत्रण' अभिव्यक्ति का अर्थ यह है कि किसी मामले में जहां नामजुद हवाई कम्पनी किसी अन्य देश की हवाई कम्पनी या सरकार या किसी अन्य देश के राष्ट्रों से करार करके अपनी हवाई व्यवस्थाओं का परिचालन करती हैं तो हवाई कम्पनी या इसके राष्ट्रों को नामजुद करने वाले संविदाकारी पक्ष का नामजुद हवाई कम्पनी पर बहुभाग स्वामित्व और प्रमावी नियंत्रण नहीं समझा जायगा जब तक कि संविदाकारी पक्ष या इसके राष्ट्रों का, नामजुद हवाई कम्पनी की परिसम्पत्तियों के काफी भाग के स्वामित्व के अलावा

(1) नामजुद हवाई कम्पनी के प्रबन्ध में प्रमावी नियंत्रण ;
और

- (11) व्यवस्थाओं के परिचालन में हस्तेमाल किए जा रहे वायुयानों के बेड़े और उपस्कर के काफी बड़े भाग का स्वामित्व और प्रमाणी नियंत्रण भी है।

इस प्रकार नामजुद और प्राधिकृत हवाई कम्पनी सम्मत व्यवस्थाओं का परिचालन किसी भी समय आरम्भ कर सकती है, बशर्ते कि इससे पूर्व अनुच्छेद X और XIII के उपबन्धों का अनुपालन पूरा हो चुका हो।

अनुच्छेद - IV

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अपने पास यह अधिकार प्रारक्षित रखता है कि यदि एक संविदाकारी पक्ष की नामजुद हवाई कम्पनी ने दूसरे पक्ष के नियमों, विनियमों का अनुपालन न किया हो अथवा पहले पक्ष की समझ में उन शर्तों को पूरा करने में कमी रही हो जिनके अधीन इस करार के अनुसार अधिकार दिए गए हैं तो वह परिचालन अनुमति को प्रतिसंहृत कर सके या उस पर ऐसी उचित शर्तें लगा सके जिन्हें वह आवश्यक समझे। जब तक कि तत्काल परिचालन को निलम्बित किए बिना अथवा शर्तों को लागू किए बिना विधियाँ, विनियमों अथवा इस करार के उपबन्धों के और अधिक अतिक्रमण की आशंका न हो जब तक ऐसी कार्रवाई इस करार के अनुच्छेद XV के अनुसार संविदाकारी पक्षों के बीच परामर्श हो जाने के बाद ही की जा सकेगी।

अनुच्छेद - V

कोई संविदाकारी पक्ष अपने मू-भाग में दूसरे संविदाकारी पक्ष द्वारा नामजुद हवाई कम्पनी द्वारा हवाई अड्डों तथा दूसरी विमानन सुविधाओं के उपयोग के लिए उन प्रभारों से अधिक प्रभार न लगा जो उसी प्रकार की अन्तर्राष्ट्रीय हवाई व्यवस्थाओं में काम करने वाली अन्य राष्ट्रीय हवाई कम्पनियों से लेता है।

अनुच्छेद - VI

एक संविदाकारी पक्ष की नामजुद हवाई कम्पनी के वायुयान दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में जो ईंधन, मशीन तेल और फालतू पुर्जे लें और जो उस मू-भाग के अन्तिम हवाई अड्डे से रवाना होने तक वायुयान में ही रहें, उन पर लाने वाले सीमाशुल्क, निरीक्षण शुल्क और ऐसे ही दूसरे राष्ट्रीय

शुल्क या प्रभार, तथा सामान्य उपस्कर या वायुयान के दूसरे सामान पर जो या तो वायुयान में लाया दिया गया हो या उसमें लाया गया हो और जो केवल उसी वायुयान में या उसके द्वारा काम में जाने वाला हो, और जो उस मू-भाग के अन्तिम हवाई अड्डे से खाना होने तक हवाई जहाज में ही लाया रहे, उस लाने वाले सीमाशुल्क, निरीक्षण शुल्क या ऐसे ही दूसरे प्रभार के बारे में एक संविदाकारी पक्ष की नामजद हवाई कम्पनियों के साथ दूसरा संविदाकारी पक्ष जो व्यवहार करेगा, वह उस व्यवहार से कम अच्छा न होगा जो कि वह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई व्यवस्था चलाने वाली किसी परममित्र राष्ट्र की या अपनी हवाई कम्पनियों के साथ करता हो ।

इसमें यह है कि कोई भी संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामजद हवाई कम्पनियों को सीमाशुल्क, निरीक्षण फीस या इसी प्रकार के अन्य प्रभारों में छूट या परिहार देने के लिए तब तक बाध्य न होगा जब तक कि दूसरा संविदाकारी पक्ष भी पहले संविदाकारी पक्ष की नामजद हवाई कम्पनी को ऐसे प्रभारों में छूट या परिहार न दे ।

अनुच्छेद - VII

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष की नामजद हवाई कम्पनियों के दोनों पक्षों के मू-भागों के बीच और उससे आगे अन्तर्राष्ट्रीय यातायात को ले जाने के लिए सब प्रकार से उचित और समान अवसर प्राप्त होंगे ।

अनुच्छेद - VIII

दोनों में से किसी भी संविदाकारी पक्ष द्वारा नामजद हवाई कम्पनी की सम्मत हवाई व्यवस्थाओं के परिचालन में यह ध्यान रखा जाएगा कि दूसरे पक्ष द्वारा नामजद हवाई कम्पनी के हितों की हानि न हो ताकि दूसरा पक्ष उस सारे मार्ग अथवा उसके किसी अंश में जो व्यवस्था चलाता है उस पर कोई अनुचित प्रभाव न पहुँच पाए ।

अनुच्छेद - IX

धारिता कितनी होगी, कितनी व्यवस्थाएँ परिचालित होंगी और हवाई व्यवस्था किस प्रकार की होगी, अर्थात् संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में से होकर जाना होगा या वहीं यात्रा समाप्त करनी होगी आदि बातों को

अनुच्छेद VII और VIII तथा इस अनुच्छेद के उपबंधों में विहित सिद्धांतों के अनुसार नामजुद हवाई कंपनियां तय करेंगी। इस प्रकार का करार दोनों संविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन होगा।

(2) धारिता में अथवा दोनों पक्षों में से किसी भी संविदाकारी पक्ष की नामजुद हवाई कंपनी द्वारा चलाई जाने वाली हवाई व्यवस्थाओं की संख्या में वृद्धि के विषय में पहले नामजुद हवाई कंपनियां सहमत होंगी और तब यह सहमति संयुक्त रूप से सम्मत और निश्चित अनुमानित यातायात की आवश्यकताओं के आधार पर वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन होगी। जब तक इस प्रकार की सहमति या फैसला न हो जाए तब तक इस अनुच्छेद के पैरा 1 में धारिता और आवृत्ति की संख्या के बारे में जो सहमति हुई है वही लागू होगी।

(3) यदि किसी ऐसे विषय पर संविदाकारी पक्षों की नामजुद कंपनियों की सहमति न हो पाए, जिस पर इस अनुच्छेद के उपबंधों के अन्तर्गत उनकी सहमति होनी चाहिए तो संविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी उसका फैसला कराने का प्रयत्न करेंगे।

(4) धारिता कितनी होगी, कितनी व्यवस्थाएं परिवारित होंगी और हवाई व्यवस्था किस प्रकार की होगी अर्थात् दूसरे संविदाकारी के मू-भाग में से होकर बागे जाना होगा या वहीं यात्रा समाप्त करनी होगी आदि बातों के बारे में इस अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार जो सहमति हो जायगी उसका संविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों के बीच होने वाले पत्रों के विनि-मय में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जायगा।

अनुच्छेद - X

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष अपनी नामजुद हवाई कंपनी से दूसरे संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को व्यवस्था के प्रकार, उपयोग किए जाने वाले वायुयान के प्रकार, उड़ान की अनुसूचियों, टैरिफ अनुसूचियों और सम्मत व्यवस्थाओं के परिचालन से संबंधित अन्य सूचनाओं को सम्मत सेवाओं को आरम्भ करने से यथासंभव जितने पहले हो सके भिजवायगा और इनमें वे सभी सूचनाएं भी सम्मिलित होंगी जो वैमानिक प्राधिकारियों को इस बात की तसल्ली कराने के लिए आवश्यक हों कि प्रस्तुत करार की शर्तों का पालन ठीक ढंग से हो रहा है। सम्मत सेवाओं से संबंधित किसी भी परिवर्तन पर इस अनुच्छेद की शर्तें इसी प्रकार लागू होंगी।

अनुच्छेद - XI

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी दूसरे संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारियों को अपनी हवाई व्यवस्थाओं द्वारा प्रत्येक मास में दूसरे संविदाकारी पक्ष के मू-भाग को अथवा मू-भाग से, अथवा मू-भाग से होकर लाए गए यातायात संबंधी वाकंड़े दिलाएँ जिनमें जहाज़ पर चढ़ने और उतरने के स्थानों का निर्देश होगा। ऐसे वाकंड़े यथासंभव शीघ्राति-शीघ्र दे दिए जाएँगे।

अनुच्छेद - XII

प्रत्येक संविदाकारी पक्ष दूसरे संविदाकारी पक्ष की नामज़द हवाई कंपनी को पहले संविदाकारी पक्ष के मू-भाग में अर्जित रकम का वह भाग जो सर्व के बाद बच जाएगा, अपने मुख्य कार्यालय को प्रेषित करने का अधिकार देता है। इस प्रकार के प्रेषणों के संबंध में अपनाई जाने वाली कार्यविधि उस संविदाकारी पक्ष के विदेशी मुद्रा विनियमों के अनुरूप होगी जिसके मू-भाग में रकम उपचयित हुई है।

अनुच्छेद - XIII

किसी भी सम्मत व्यवस्था में टैरिफ़ मुनासिब स्तरों पर निश्चित किया जाएगा और सभी संबंधित बातों, जिनमें परिवालन का व्यय, उचित लाभ, व्यवस्थाओं की विशेषताएँ (जैसे गति और स्थान का स्तर) और निर्दिष्ट मार्ग के किसी भाग पर अन्य हवाई कंपनियों का टैरिफ़ शामिल है, का यथेष्ट ध्यान रखा जाएगा। ये टैरिफ़ इस अनुच्छेद के निम्नलिखित उपबंधों के अनुसार निश्चित किए जाएँगे।

(2) इस अनुच्छेद के पैरा (1) में निर्दिष्ट टैरिफ़ और इनके साथ प्रयुक्त एजेंसी कमीशन की दरें, यथासंभव संबंधित नामज़द हवाई कंपनियों के बीच निर्दिष्ट प्रत्येक मार्ग के लिए सम्मत होंगी और जहाँ तक हो सकेगा इस प्रकार की सहमति अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संस्था के दर निर्धारण तंत्र के ज़रिए की जाएगी। इस प्रकार से सम्मत टैरिफ़ दोनों संविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारियों के अनुमोदन के अधीन होगा।

(3) यदि नामज़द हवाई कंपनियाँ इनमें से किसी भी टैरिफ़ पर सहमत न हो पाएँ या किसी कारणवश इस अनुच्छेद के पैरा (2) के उपबंधों के

अनुसार टैरिफ के संबंध में सहमति न हो पाए तो संविदाकारी पक्ष के वैमानिक प्राधिकारी आपसी सहमति से टैरिफ निश्चित करेंगे ।

(4) यदि वैमानिक प्राधिकारी इस अनुच्छेद के पैरा (2) के अंतर्गत उन्हें प्रस्तुत किसी टैरिफ के अनुमोदन पर सहमत न हो सकें या पैरा (3) के अधीन किसी टैरिफ का निर्धारण न कर सकें तो यह मामला इस करार के अनुच्छेद XV के उपबंधों के अनुसार तय करने के लिए संविदाकारी पक्षों को सौंप दिया जाएगा ।

(5) इस अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार टैरिफ का निर्धारण किये जाने तक जो टैरिफ पहले से लागू हैं वे ही लागू रहेंगे ।

अनुच्छेद - XIV

निकट सम्पर्क की भावना से दोनों संविदाकारी पक्षों के वैमानिक प्राधिकारी इस करार को लागू करने और निर्वचन के विषय में नियमित रूप से विचार विनिमय करेंगे ।

अनुच्छेद - XV

दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष किसी भी समय इस करार में कोई भी संशोधन करने की दृष्टि से परामर्श का अनुरोध कर सकेगा । यदि दोनों में से कोई भी संविदाकारी पक्ष यह समझे कि अनुच्छेद XIV के अर्थ के अन्तर्गत विचार-विनिमय सफल नहीं रहा है तो वह इस करार के निर्वचन और लागू करने के बारे में भी परामर्श के लिये अनुरोध कर सकता है । ऐसा परामर्श अनुरोध की तारीख से साठ दिन के भीतर बारम्ब होगा । इस प्रकार के परामर्शों के फलस्वरूप प्रस्तुत करार में की गई कोई भी त्रुटि विभिन्न सांविधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने और राजनयिक पत्रों के विनिमय द्वारा पुष्ट हो जाने पर ही लागू होगी ।

अनुच्छेद - XVI

यदि इस करार का अर्थ करने या उसे लागू करने के सम्बन्ध में कोई विवाद संविदाकारी पक्षों के बीच में उठ खड़ा हो, तो संविदाकारी पक्ष पहले आपस में बातचीत करके उसे तय करने का प्रयत्न करेंगे ।

(2) यदि संविदाकारी पक्ष बातचीत द्वारा विवाद तय न कर पाएँ तो वे उसे किसी विवाचक अधिकरण या व्यक्ति या संगठन को निर्णय के लिये

सौंप सकते हैं। विवाचक अधिकरण निम्नलिखित तरीके से बनाया जाएगा :-

(क) प्रत्येक संविदाकारी पक्ष एक विवाचक नामित करेगा ;

(ख) तीसरा विवाचक, जो समापतित्व करेगा, दोनों संविदाकारी पक्षों की सहमति से रखा जाएगा।

(3) यदि संविदाकारी पक्ष विवाद को विवाचक-अधिकरण को सौंपने के लिये सहमत न हों या उसे विवाचक-अधिकरण को सौंपने के लिये सहमत होने के बाद यदि वे तीसरे विवाचक की नियुक्ति पर सहमत न हों, तो कोई भी संविदाकारी पक्ष विवाद को ऐसे अधिकरण के सामने रख सकता है जो विवाद का निर्णय करने में सक्षम हो और जिसकी स्थापना इसके बाद अन्तराष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन के अन्तर्गत की जा सके या यदि ऐसा कोई अधिकरण न हो, तो उसे उक्त संगठन की परिषद् को सौंपा जा सकता है।

(4) संविदाकारी पक्ष इस अनुच्छेद के अधीन किये गए किसी भी निर्णय का पालन करने का वचन देते हैं।

अनुच्छेद - XVII

संविदाकारी पक्षों के बीच अभिसमय के उपबंध, जहां तक वे करार के अधीन स्थापित हवाई व्यवस्थाओं पर लागू होते हैं, करार की अवधि के दौरान अपने वर्तमान रूप में करार के अधिन्न अंग की तरह तब तक लागू रहेंगे जब तक कि दोनों संविदाकारी पक्ष अभिसमय के किसी ऐसे संशोधन का सत्यांकन न करें जो विधिवत् लागू कर दिया गया हो और उस स्थिति में संशोधित अभिसमय ही इस करार की अवधि में लागू रहेगा।

अनुच्छेद - XVIII

इस करार का संलग्न अनुबंध करार का ही अंग माना जाएगा और सिवाय उस स्थिति के जब कि स्पष्टरूप से अन्यथा उपबंध न कर दिया गया हो, करार के सम्बन्ध में जो भी उल्लेख किये जायें, उनमें अनुबंध का उल्लेख भी सम्मिलित होगा।

(2) ज्योंही दोनों संविदाकारी पक्ष क्रमशः अपनी सांविधानिक प्रक्रियाओं को पूरा करने की सूचना एक दूसरे को दे देंगे त्योंही यह करार लागू हो जाएगा।

अनुच्छेद - XIX

कोई भी संविदाकारी पत्र दूसरे पत्र को किसी भी समय इस बात का नोटिस दे सकता है कि वह इस करार को समाप्त करना चाहता है। इस नोटिस की सूचना साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन को भी दी जाएगी। यदि दूसरे संविदाकारी पत्र को नोटिस मिलने की तारीख से बारह महीने की अवधि से पहले ही समाप्ति करके यह नोटिस वापस न ले लिया जाए तो उक्त अवधि की समाप्ति पर यह करार समाप्त हो जाएगा। यदि दूसरे संविदाकारी पत्र को नोटिस की प्राप्ति-रसीद न मिले तो जिस दिन यह नोटिस अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन को मिला हो उसके चौदह दिन बाद दूसरे संविदाकारी पत्र को भी मिला हुआ माना जाएगा।

अनुच्छेद - XX

यह करार और अनुच्छेद XV के अनुसार किया गया पत्र-व्यवहार अंतर्राष्ट्रीय सिविल विमानन संगठन में दर्ज किया जाएगा।

सिंगापुर में तारीख 23 जनवरी 1968 को चार मूल प्रतियाँ - दो हिन्दी और दो अंग्रेजी - में किया गया। चारों प्रतियाँ समान रूप से प्रामाणिक हैं। अर्थ निर्वचन में भिन्नता होने पर अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

सिंह

भारत सरकार की ओर से

W. J. J. J.

सिंगापुर गणराज्य सरकार की ओर से

अनुबन्ध

अनुसूची - I

वे मार्ग जिन पर भारत की नामज़द कम्पनी के विमान दोनों दिशाओं में चलें :-

<u>स्थान-1</u>	<u>स्थान-2</u>	<u>स्थान-3</u>	<u>स्थान-4</u>
यात्रा-प्रारम्भ के स्थान	बीच के स्थान	सिंगापुर के स्थान	उससे आगे के स्थान

भारत में स्थान कुआला लम्पुर सिंगापुर
जकार्ता,
पर्थ,
सिडनी,
ऑकलैंड,
नूमी, नदी

अनुसूची - II

वे मार्ग जिन पर सिंगापुर की नामज़द कम्पनी के विमान दोनों दिशा में चलें :-

<u>स्थान -1</u>	<u>स्थान-2</u>	<u>स्थान-3</u>	<u>स्थान-4</u>
यात्रा-प्रारम्भ के स्थान	बीच के स्थान	भारत के स्थान	उससे आगे के स्थान

सिंगापुर -
मलेशिया में स्थान - मद्रास -

टिप्पणी :

- (1) कोई भी नामज़द हवाई कम्पनी यदि चाहे तो किसी या सभी उड़ानों में अनुबन्ध की अनुसूची I और II में निर्दिष्ट मार्गों के कोई या कुछ स्थान छोड़ सकती है ।
- (ii) किसी भी संविदाकारी पक्ष की नामज़द हवाई कम्पनी को दूसरे संविदाकारी पक्ष के धु-माम में अपनी सेवाएं बंद करने का अधिकार होगा ।

AGREEMENT BETWEEN THE GOVERNMENT OF
INDIA AND THE GOVERNMENT OF THE
REPUBLIC OF SINGAPORE RELATING TO
AIR SERVICES.

The Government of India and the Government of
the Republic of Singapore,

Being parties to the Convention on International
Civil Aviation (hereinafter referred to as the Conven-
tion) opened for signature at Chicago on the 7th
December, 1944,

And Desiring to conclude an Agreement for the
purpose of establishing air services between and beyond
their respective territories,

Have Agreed as follows :-

ARTICLE I

For the purpose of this Agreement, unless the
context otherwise requires:-

- (a) the term "aeronautical authorities" means,
in the case of India, the Director General
of Civil Aviation, and in the case of the
Republic of Singapore, the Deputy Prime
Minister or any person or body authorised
to perform the functions exercised by the
said Director General or by the said
Minister or similar functions;
- (b) the term "designated airline" means an
airline which one Contracting Party has
designated in writing to the other Con-
tracting Party, in accordance with Arti-
cle III of this Agreement;

- (c) the terms "territory", "air services", "international air services", "airline" and "stop for non-traffic purposes" have the meanings respectively assigned to them in Articles 2 and 96 of the Convention.

ARTICLE II

Each Contracting Party grants to the other Contracting Party the rights specified in this Agreement for the purpose of establishing air services (hereinafter called "the agreed services") on the route specified in the Annex hereto (hereinafter called "the specified routes").

(2) Subject to the provisions of this Agreement, the airline designated by each Contracting Party shall enjoy the following rights:-

- (a) to fly without landing across the territory of the other Contracting Party;
- (b) to make stops in the territory of the other Contracting Party for non-traffic purposes; and
- (c) while operating an agreed service on a specified route, to make stops in the territory of the other Contracting Party at the point or points specified for that route in the Annex to this Agreement, for the purpose of putting down or taking on international traffic in passengers, cargo

and mail, originating in or destined for the territory of the first Contracting Party or of a third country.

(3) Nothing in paragraph (2) of this Article shall be deemed to confer on the airline of one Contracting Party the privilege of taking on, in the territory of the other Contracting Party, passengers, cargo or mail destined for another point in the territory of that other Contracting Party.

(4) The laws, regulations and instructions of one Contracting Party, relating to entry into or departure from its territory, of aircraft or air services operated in international air navigation or to the operation of such aircraft or air services while within its territory shall apply to aircraft and agreed services of the designated airline of the other Contracting Party.

ARTICLE III

Each Contracting Party shall have the right to designate in writing to the other Contracting Party one airline for the purpose of operating the agreed services on the specified routes.

(2) On receipt of the designation, the Contracting Party shall, through its own aeronautical authorities and subject to the provisions of paragraphs (3) and (4) of this Article, without delay grant to the designated airline the appropriate operating authorisation.

(3) The aeronautical authorities of one Contracting Party may require the airline designated by the other Contracting Party to satisfy them that it is qualified to fulfil the conditions prescribed under the laws and

regulations normally applied by them to the operation of international commercial air services.

(4) Each Contracting Party shall have the right to refuse to accept the designation of an airline or to withhold the grant to an airline of the rights specified in paragraph (2) of Article II of this Agreement or to impose such conditions as it may deem necessary on the exercise by an airline of those rights in any case where it is not satisfied that substantial ownership and effective control of that airline are vested in the other Contracting Party or its nationals. For the purpose of this paragraph, the expression "substantial ownership and effective control" means that in any case where the designated airline operates its services under this Agreement by entering into any agreement with the airline of any other country or the Government or nationals of any other country, the Contracting Party designating the airline or its nationals shall not be deemed to have substantial ownership and effective control of the designated airline, unless the Contracting Party or its nationals, in addition to the ownership of a substantial part of the assets of the designated airline, have also:-

- (i) effective control in the management of the designated airline; and
- (ii) ownership and effective control of a substantial part of the fleet of aircraft and equipment used in the operation of the services.

(5) The airline so designated and authorised may

begin to operate the agreed services at any time provided that the provisions of Articles X and XIII have been complied with.

ARTICLE IV

Each Contracting Party reserves the right to itself to revoke the operating authorisation or impose such appropriate conditions as it may deem necessary in case of failure by a designated airline of the other Party to comply with the laws and regulations of the former Party, or in case, in the judgment of the former Party, there is a failure to fulfil the conditions under which the rights are granted in accordance with this Agreement. Such action shall be taken only after consultation between the Contracting Parties in accordance with Article XV of this Agreement unless an immediate suspension of operations or imposition of conditions is necessary to avoid further infringements of laws, regulations or provisions of this Agreement.

ARTICLE V

The charges imposed in the territory of one Contracting Party for the use of airports and other aviation facilities by the aircraft of the designated airline of the other Contracting Party shall not be higher than those paid by the aircraft of a national airline engaged in similar international air services.

ARTICLE VI

Supplies of fuel, lubricating oils, spare parts, regular aircraft equipment and aircraft stores introduced

into or taken on board aircraft of the designated airline of one Contracting Party in the territory of the other Contracting Party and intended solely for use by or in such aircraft and remaining on board on departure from the last airport of call in that territory shall be accorded, with respect to customs duty, inspection fees or similar charges, treatment not less favourable than that granted by the second Contracting Party to the national airlines operating scheduled international air services or to the airlines of the most favoured nation.

Provided that neither Contracting Party shall be obliged to grant to the designated airline of the other Contracting Party exemption or remission of customs duty, inspection fees or similar charges unless such other Contracting Party grants exemption or remission of such charges to the designated airline of the first Contracting Party.

ARTICLE VII

The designated airline of each Contracting Party shall, in all respects, enjoy fair and equal opportunity for the carriage of international traffic between and beyond the territories of the two Parties.

ARTICLE VIII

In the operation by the designated airline of either Contracting Party of the agreed services, the interests of the designated airline of the other Party shall be taken into consideration so as not to affect unduly the services which the latter provides on all or part of the same route.

ARTICLE IX

The capacity to be provided, the frequency of services to be operated and the nature of an air service, that is, transiting through or terminating in the territory of the other Contracting Party shall be agreed between the designated airlines in accordance with the principles laid down in Articles VII and VIII and the provisions of this Article. Such agreement shall be subject to the approval of the aeronautical authorities of the two Contracting Parties.

(2) Any increase in the capacity to be provided or frequency of services to be operated by the designated airline of either Contracting Party shall be agreed, in the first instance, between the designated airlines and shall be subject to the approval of the aeronautical authorities on the basis of the estimated requirements of traffic to be jointly agreed and determined. Pending such agreement or settlement, the capacity and frequency already agreed to in accordance with paragraph 1 of this Article shall prevail.

(3) If the designated airlines of the Contracting Parties fail to agree on any matter on which their agreement is required under the provisions of this Article, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall endeavour to reach agreement thereon.

(4) The capacity to be provided, the frequency of services to be operated and the nature of an air service, that is, transiting through or terminating in the territory of the other Contracting Party as agreed to in

accordance with the provisions of this Article shall be specified in an exchange of letters between the aeronautical authorities of the Contracting Parties.

ARTICLE X

Each Contracting Party shall cause its designated airline to communicate to the aeronautical authorities of the other Contracting Party, as long in advance as practicable, prior to the inauguration of the agreed services, the type of service, the type of aircraft to be used, the flight schedules, tariff schedules, and all other relevant information concerning the operation of the agreed services including such information as may be required to satisfy the aeronautical authorities that the requirements of this Agreement are being duly observed. The requirements of this Article shall likewise apply to any changes concerning the agreed services.

ARTICLE XI

The aeronautical authorities of either Contracting Party shall furnish to the aeronautical authorities of the other Contracting Party statistics relating to the traffic carried during each month on their air services to or from or through the territory of the other Contracting Party showing the points of embarkation and disembarkation of such traffic. Such statistics shall be furnished as early as possible.

ARTICLE XII

Each Contracting Party grants to the designated airline of the other Contracting Party the right to remit

to its head office the excess over expenditure of receipts earned in the territory of the first Contracting Party. The procedure for such remittances, however, shall be in accordance with the foreign exchange regulations of the Contracting Party in the territory of which the revenue accrued.

ARTICLE XIII

The tariffs on any agreed service shall be established at reasonable levels, due regard being paid to all relevant factors including cost of operation, reasonable profit, characteristics of service (such as standards of speed and accommodation) and the tariffs of other airlines for any part of the specified route. These tariffs shall be fixed in accordance with the following provisions of this Article.

(2) The tariffs referred to in paragraph (1) of this Article, together with the rates of agency commission used in conjunction with them shall, if possible be agreed in respect of each of the specified routes between the designated airlines concerned, and such agreement shall, wherever possible, be reached through the rate-fixing machinery of the International Air Transport Association. The tariffs so agreed shall be subject to the approval of the aeronautical authorities of both Contracting Parties.

(3) If the designated airlines cannot agree on any of these tariffs, or if for some reason a tariff cannot be agreed upon in accordance with the provisions of paragraph (2) of this Article, the aeronautical authorities of the Contracting Parties shall try to determine the tariff by agreement between themselves.

(4) If the aeronautical authorities cannot agree on the approval of any tariff submitted to them under paragraph (2) of this Article or on the determination of any tariff under paragraph (3), the matter shall be referred to the Contracting Parties for settlement in accordance with the provisions of Article XV of this Agreement.

(5) Pending determination of the tariffs in accordance with the provisions of this Article, the tariffs already in force shall prevail.

ARTICLE XIV

In a spirit of close collaboration, the aeronautical authorities of the two Contracting Parties shall exchange views regularly on the application and interpretation of this Agreement.

ARTICLE XV

Consultations may be requested at any time by either Contracting Party for the purpose of initiating any amendments to this Agreement. Consultations may also be requested on matters concerning the interpretation and application of this Agreement if either Contracting Party considers that an exchange of views within the meaning of Article XIV has been without success. Such consultation shall begin within a period of sixty days from the date of the request. Any modification of this Agreement as a result of such consultations shall come into effect after the respective constitutional requirements have been fulfilled and when it has been confirmed by an exchange of diplomatic notes.

ARTICLE XVI

If any dispute arises between the Contracting Parties relating to the interpretation or application of this Agreement, the Contracting Parties shall in the first place endeavour to settle it by negotiation between themselves.

(2) If the Contracting Parties fail to reach a settlement by negotiations they may agree to refer the dispute for decision to an arbitration tribunal or to any other person or organization. The arbitration tribunal shall be composed as follows:-

(a) each Contracting Party shall nominate an arbitrator;

(b) the third arbitrator who shall preside shall be agreed upon between the Contracting Parties.

(3) If the Contracting Parties do not agree to refer the dispute to an arbitration tribunal or having agreed to refer the dispute to an arbitration tribunal they cannot reach agreement as to the appointment of the third arbitrator, either Contracting Party may submit the matter for decision to any tribunal competent to decide it which may hereafter be established within the International Civil Aviation Organization or, if there is no such tribunal, to the Council of the said Organization.

(4) The Contracting Parties undertake to comply with any decision given under this Article.

ARTICLE XVII

To the extent to which they are applicable to

the air services established under this Agreement, the provisions of the Convention shall remain in force in their present form between the Contracting Parties for the duration of the Agreement, as if they were an integral part of the Agreement, unless both Contracting Parties ratify any amendment to the Convention, which shall have duly come into force in which case the Convention as amended shall remain in force for the duration of this Agreement.

ARTICLE XVIII

The Annex attached to this Agreement shall be deemed to be part of the Agreement and all references to the Agreement shall include reference to the Annex, except where otherwise expressly provided.

(2) This Agreement shall come into force as soon as the two Contracting Parties have notified to each other the fulfilment of their respective constitutional procedures.

ARTICLE XIX

Either Contracting Party may, at any time, give written notice to the other, of its desire to terminate this Agreement. Such notice shall be simultaneously communicated to the International Civil Aviation Organization. If such notice is given, this Agreement shall terminate twelve months after the date of receipt of the notice by the other Contracting Party, unless the notice to terminate is withdrawn by agreement before the expiry of this period. In the absence of acknowledgment of receipt by the other Contracting Party, notice shall be

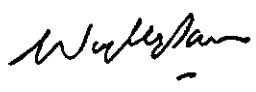
deemed to have been received fourteen days after the receipt of the notice by the International Civil Aviation Organization.

ARTICLE XX

This Agreement and any Exchange of Notes in accordance with Article XV shall be registered with the International Civil Aviation Organization.

Done at ~~23~~ Singapore this 23rd day of
January 1976 in four originals, two each
in the Hindi and English Languages, all the four texts
being equally authentic. In case of any divergence of
interpretation, the English texts shall prevail.


For the Government of
India


For the Government of the
Republic of Singapore

A N N E X

SCHEDULE I

Routes to be operated by the designated airline
of India:

<u>Column 1.</u>	<u>Column 2.</u>	<u>Column 3.</u>	<u>Column 4.</u>
Points of departure:	Intermediate points:	Points in Singapore:	Points beyond:
Points in India.	Kuala Lumpur.	Singapore.	Djakarta, Perth, Sydney, Auckland, Noumea, Nandi.

SCHEDULE II

Routes to be operated by the designated airline
of Singapore:

<u>Column 1.</u>	<u>Column 2.</u>	<u>Column 3.</u>	<u>Column 4.</u>
Points of departure:	Intermediate points:	Points in India:	Points beyond:
Singapore - Points in Malaysia.	-	Madras.	-

Notes

- (i) The points specified above, including Singapore and Kuala Lumpur, need not necessarily be served in the order named and any or some of the points on the specified routes in Schedules I and II of the Annex may at the option of the respective designated airline be omitted on any or all flights.
- (ii) The designated airline of either Contracting Party shall have the right to terminate its services in the territory of the other Contracting Party.